तापमान

अधिकतम 30 डिग्री

न्यूनतम 24 डिग्री

हरिभूमि

कोरिया भूमि

बिलासपुर, रविवार 19 जुलाई 2026

बैकुंठपुर | मनेन्द्रगढ़ | चिरमिरी | खड़गवां | भरतपुर-सोनहत | जनकपुर

4 भरतपुर में लो-वोल्टेज और कटौती से जनता बेहाल

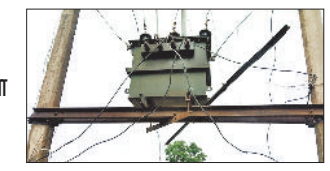

खबर संक्षेप

आरबीसी एक्ट के तहत 12 लाख स्वीकृत

बैकुण्ठपुर। कलेक्टर के निर्देशानुसार अपर कलेक्टर कोरिया सुरेंद्र वैद्य ने आरबीसी (राजस्व पुस्तक परिपत्र) 6-4 के तहत जिले के तीन पीड़ित परिवारों के वारिसानों के लिए कुल 12 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। प्रत्येक प्रकरण में 4-4 लाख रुपए की सहायता प्रदान की गई है।

ऋण प्रकरण तैयार कर शीघ्र बैंकों को भेजें

बैकुण्ठपुर। कलेक्टर रोक्तिमा यादव ने पीएम अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना के अंतर्गत वर्ष 2026-27 के लिए जिले को आवंटित स्वरोजगार ऋण लक्ष्य की पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए हैं। इस संबंध में जिला पंचायत, नगरीय निकायों तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को पत्र जारी कर पात्र हितग्राहियों के ऋण प्रकरण तैयार कर शीघ्र बैंकों को भेजने के निर्देश दिए गए हैं। जारी निदेर्शों के अनुसार, छग राज्य अनुसूचित जाति सहकारी वित्त एवं विकास निगम द्वारा जिले को वर्ष 2026-27 के लिए 31 हितग्राहियों को स्वरोजगार से जोड़ने का लक्ष्य दिया गया है। पात्र अनुसूचित जाति हितग्राहियों को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। कलेक्टर ने निर्देशित किया है कि विभागीय अधिकारी एवं नगरीय निकाय पात्र हितग्राहियों का चयन कर उनके ऋण प्रकरण शीघ्र तैयार करें और बैंकों को भेजना सुनिश्चित करें। योजना के तहत स्वीकृत ऋण राशि का 50 प्रतिशत अथवा अधिकतम 50 हजार रुपये तक अनुदान का प्रावधान है। शेष ऋण राशि बैंक द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी।

ग्रामीणों के आय का है प्रमुख जरिया

प्रकृति की अनमोल सौगात, बाजार में पहली बार लंबी डंठल वाली पतेरी

जंगली मशरुम पतेरी की पहली खेप 1600 रुपए किलो बिकी, खरीदी के लिए मचती है होड़

बैकुण्ठपुर। कोरिया जिले के वनांचल क्षेत्रों से प्रकृति की अनमोल सौगात मानी जाने वाली जंगली मशरुम पतेरी की बाजार में आवक शुरू हो गई है।

शुक्रवार को बैकुंठपुर के बाजार में पहली बार लंबी डंठल वाली पतेरी 1600 रुपए प्रति किलो की दर से बिकी। सीजन की शुरूआत होने के कारण इसकी आवक बेहद सीमित रही, जिससे कीमतें आसमान पर पहुंच गईं। इसके बावजूद स्वाद के शौकीनों में इसे खरीदने की होड़ लगी रही और कुछ ही घंटों में पूरी खेप बिक गई। वर्तमान में पतेरी की आवक मुख्य रूप से सोनहत जनपद क्षेत्र से शुरू हुई है। इसी क्षेत्र से हर वर्ष सबसे अधिक मात्रा में जंगली मशरूम पुटू और पतेरी बाजार तक पहुंचते हैं। इस वर्ष बरसात के शुरूआती दिनों में पुटू की आवक शुरू होने पर उसकी कीमत 1200 रुपए प्रति किलो थी, जबकि पतेरी ने शुरूआत में ही उससे अधिक 1600 रुपए प्रति किलो का भाव हासिल किया। हालांकि जानकारों का कहना है कि आने वाले दिनों में आवक बढ़ने के साथ इसके दाम भी धीरे-धीरे कम हो जाएंगे। हर साल सीजन की शुरूआत में पतेरी ऊंचे दाम पर ही बिकती है।

स्वाद और पोषण का मिश्रण

जंगली मशरूम पतेरी अपने खास स्वाद के साथ-साथ पोषक तत्वों से भरपूर होने के कारण लोगों की पहली पसंद मानी जाती है। यही वजह है कि ऊंची कीमत होने के बावजूद लोग इसका स्वाद लेने के लिए दाम की परवाह नहीं करते। पहली खेप के बाजार में पहुंचते ही इसका हाथों-हाथ बिक जाना इसकी लोकप्रियता को दशार्ता है।

इस वर्ष पुटू की भरपूर आवक

इस बार बरसात शुरू होने के कुछ दिनों बाद ही कोरिया जिले के ग्रामीण क्षेत्रों से जंगली मशरूम पुटू की भरपूर आवक शुरू हो गई है। ग्रामीणों के अनुसार जंगलों में इस वर्ष पुटू प्रचुर मात्रा में मिल रहा है। बाजार में अधिक आवक होने के कारण वर्तमान में पुटू 250 से 300 रुपए प्रति किलो के भाव से बिक रहा है, जबकि सीजन की शुरूआत में इसकी कीमत 1200 रुपए प्रति किलो तक थी।

किशोर गंभीर गांव में दहशत, घायल परिवार को 10 हजार रुपए की मदद

रेस्क्यू में कुएं से निकले भालू ने तीन पर किया हमला

हरिभूमि न्यूज ⏭ जनकपुर

मनेंद्रगढ़ वनमंडल के जनकपुर वन परिक्षेत्र अंतर्गत ग्राम च्यूल में जंगली भालू के रेस्क्यू के दौरान बड़ा हादसा हो गया। कुएं में गिरे भालू को सुरक्षित बाहर निकालने की कार्रवाई चल रही थी, तभी वह अचानक रिहायशी इलाके की ओर पहुंच गया और तीन ग्रामीणों पर हमला कर दिया। हमले में 14 वर्षीय किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि दो महिलाओं को हल्की चोटें आईं।

घटना के बाद पूरे गांव में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया। वन परिक्षेत्र अधिकारी अतुल तिवारी ने बताया कि सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। भालू को सुरक्षित निकालने के लिए कुएं में सीढ़ी लगाई गई और ग्रामीणों से घरों के भीतर रहने की अपील की गई थी। रेस्क्यू के दौरान भालू बाहर निकलकर गांव से निकलने का रास्ता तलाशने लगा, लेकिन दीवार पार नहीं कर सका। इसी बीच कुछ ग्रामीणों ने यह समझकर घरों के दरवाजे खोल दिए कि भालू निकल चुका है। तभी भालू अचानक दूसरी ओर से रिहायशी क्षेत्र में घुस गया और सामने आए लोगों पर हमला कर दिया। हमले में प्रदीप सिंह (14 वर्ष) गंभीर रूप से घायल हो गया। ⏭शेष पेज 3 पर

कुएं में गिरा भालू।

ग्रामीणों ने बताया आंखों देखा हाल

ग्राम च्यूल निवासी मनोज कुमार बालंद ने बताया कि भालू उनके गांव के एक कुएं में गिर गया था। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम पहुंची और सीढ़ी लगाकर उसे बाहर निकाला। बाहर निकलते ही भालू तेजी से भागने लगा। इसी दौरान कुछ लोग उसका वीडियो बना रहे थे। संभवतः खुद को घिरा हुआ महसूस कर भालू पलट पड़ा और एक घर का दरवाजा धक्का देकर अंदर घुस गया, जहां उसने दो लोगों पर हमला कर दिया। ग्रामीण नंदलाल ने बताया कि वह भी मौके पर मौजूद थे। भालू कुएं से निकलने के बाद दीवार पर चढ़ने की कोशिश कर रहा था, लेकिन गिर गया। इसके बाद वह अचानक उठकर गांव की ओर दौड़ा और लोगों पर हमला कर दिया। जान बचाने के लिए सभी लोग इधर-उधर भागने लगे। वहीं मानमती ने बताया कि पहले भालू कुएं में गिरा था। वन विभाग ने सीढ़ी लगाकर उसे बाहर निकाला, लेकिन बाहर आते ही वह भागते हुए उनके घर की ओर आया और उनके भाई पर हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के बाद गांव में भय का माहौल है। वन विभाग ने लोगों से सतर्क रहने और किसी भी वन्यजीव की सूचना तुरंत विभाग को देने की अपील की है।

रुक-रुक कर हो रही झमाझम बारिश से जनजीवन प्रभावित

खेतों में भरा पर्याप्त पानी किसानों ने ली राहत की सांस

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैकुंठपुर

कोरिया जिले में शनिवार दोपहर शुरू हुई झमाझम बारिश लगातार रुक-रुक कर होती रही। हुई बारिश से शहर के कई मोहल्लों और प्रमुख मार्गों के निचले हिस्सों में जलभराव की स्थिति बन गई, जिससे लोगों को आवागमन में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं खेतों में भी पर्याप्त मात्रा में पानी भर जाने से किसानों ने राहत की सांस ली और धान की रोपाई का कार्य फिर से तेज हो गया।

उल्लेखनीय है कि जिले में पिछले कुछ दिनों तक बारिश नहीं होने से सूखे जैसी स्थिति बन गई थी, जिससे खेती-किसानी प्रभावित हो रही थी। किसान धान की रोपाई समय पर नहीं होने से चिंतित थे। हालांकि बुधवार से शुरू हुई बारिश का सिलसिला लगातार जारी है और प्रतिदिन हो रही अच्छी बारिश किसानों के लिए राहत लेकर आई है। शनिवार को हुई जोरदार बारिश के बाद खेतों में पानी भर गया, जिससे धान की रोपाई के लिए अनुकूल परिस्थितियां बन गईं। किसान बड़ी संख्या में खेतों में उतरकर रोपाई कार्य में जुट गए हैं। समय पर बारिश नहीं होने से पिछड़ रही खेती को अब नई गति मिलने की उम्मीद है। वहीं लगातार हुई बारिश का असर जनजीवन पर भी देखने को मिला। बैकुण्ठपुर में साप्ताहिक बाजार के दौरान बारिश के कारण व्यापारियों और खरीदारों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कई स्थानों पर जलभराव और लगातार बारिश के चलते लोगों की दैनिक गतिविधियां भी प्रभावित रहीं।

दो दिन में 4 फरार आरोपी व स्थायी वारंटी गिरफ्तार

चरचा कॉलरी। जिले के चरचा पुलिस ने फरार आरोपियों और स्थायी वारंटियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान में बड़ी सफलता हासिल की है। बीते दो दिनों के भीतर पुलिस ने चार फरार आरोपी एवं स्थायी वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। लगातार हो रही इस सख्त कार्रवाई से क्षेत्र के अपराधियों और आपराधिक तत्वों में भय का माहौल बन गया है।

थाना प्रभारी उप निरीक्षक आनंद सोनी के नेतृत्व में अपराध नियंत्रण, फरार आरोपियों की धरपकड़ और स्थायी वारंटियों की गिरफ्तारी को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। उनके पदभार संभालने के बाद से लगातार प्रभावी कार्रवाई देखने को मिल रही है, जिससे कानून-व्यवस्था मजबूत हुई है और अपराधियों के हौसले पस्त हुए हैं। पुलिस अधीक्षक हरीश राठौर के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती सुरेशा चौबे एवं उप पुलिस अधीक्षक आशा सेन के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना चरचा पुलिस ने अपराध क्रमांक 99/24 में धारा 458, 380, 332, 186, 353, 120-बी, 395, 397 भारतीय दंड संहिता तथा आर्म्स एक्ट की धारा 25 एवं 27 के तहत लंबे समय से फरार चल रहे रिजेश बासोर और कृपाशंकर राजवाड़े को गिरफ्तार किया। इसी तरह एक अन्य प्रकरण में राकेश राठौर पिता नर्मदा प्रसाद तथा समीर मलिक पिता दयाराम बासोर को धारा 296, 506, 323 एवं 325 के तहत गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। इससे पूर्व भी चरचा पुलिस ने अपराध क्रमांक 73/29 में भारतीय न्याय संहिता बीएनएस की विभिन्न धाराओं एवं आर्म्स एक्ट की धारा 25 व 27 के तहत फरार चल रहे अब्बू तालीफ अंसारी तथा सौरव राजवाड़े उर्फ डगरी को गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया के लिए न्यायालय में पेश किया था।

जमीन विवाद में परिवार के बीच खूनी संघर्ष, एक गंभीर रूप से घायल

सोनहत। जिले के सोनहत थाना क्षेत्र के खुटरा पारा मोहल्ले में शनिवार देर रात जमीन विवाद को लेकर एक ही परिवार के दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष हो गया।

घटना में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, शनिवार रात करीब 11:30 बजे खुटरा पारा में जमीन को लेकर परिवार के सदस्यों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि मारपीट खूनी संघर्ष में बदल गई। आरोप है कि इस दौरान तेज धारदार हथियार से लल्ला सोनवानी (45 वर्ष), पिता रामपति सोनवानी के गले पर हमला कर दिया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए अंबिकापुर रेफर कर दिया गया। इधर, सोनहत पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मोहल्ले के ही रिश्तेदार बृजेन्द्र, अनुक राम सहित अन्य लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना का मामला विधानसभा में गूंजा

मनेन्द्रगढ़। एमसीबी जिले में वर्ष 2024-25 के मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम में हुई वित्तीय अनियमितताओं का मामला अब विधानसभा तक पहुंच गया है।

पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने मामले को लेकर तत्कालीन जिला कार्यक्रम अधिकारी शुभम बंसल की उच्च स्तरीय शिकायत की थी। विधायक कविता प्राण लहरे द्वारा विधानसभा में ध्यानाकर्षण सूचना लगाए जाने के बाद महिला एवं बाल विकास विभाग ने विभागीय जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। विभागीय प्रतिवेदन के अनुसार लगभग 21 लाख रू. की सामग्री एवं व्यय से संबंधित शिकायत प्राप्त हुई थी। कलेक्टर द्वारा जांच प्रतिवेदन भेजे जाने और तत्कालीन जिला कार्यक्रम अधिकारी शुभम बंसल से स्पष्टीकरण लेने के बाद विभाग ने जवाब को संतोषजनक नहीं मानते हुए विभागीय जांच प्रारंभ कर दी है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि जांच पूरी होने के बाद दोषी पाए जाने वाले अधिकारी-कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

एकलव्य के लिए 24 को होगी चयन परीक्षा

मनेंद्रगढ। जनजातीय विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) जमथान, विकासखंड भरतपुर, जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 7वीं, 8वीं, 9वीं एवं 11वीं (वाणिज्य संकाय) की रिक्त सीटों पर लेटरल एंट्री के माध्यम से प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। इच्छुक एवं पात्र विद्यार्थी 18 जुलाई 2026 से 23 जुलाई 2026 तक प्रतिदिन सुबह 10:00 बजे से शाम 4:00 बजे के बीच विद्यालय में उपस्थित होकर आवेदन पत्र जमा कर सकते हैं। प्रवेश के लिए 24 जुलाई 2026 को सुबह 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक चयन परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा का आयोजन एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, जमथान परिसर में होगा।

ओएमजी 2 का आइडिया मेरा था क्रेडिट तक नहीं दिया गया : परेश

मुंबई। अभिनेता परेश रावल ने अक्षय कुमार और पंकज त्रिपाठी की फिल्म 'ओएमजी 2' को लेकर एक बड़ा दावा किया है। एक्टर ने दावा किया कि 'ओएमजी 2' की कहानी असल में एक आइडिया के तौर पर शुरू हुई थी, जिसे उन्होंने डायरेक्टर अमित राय के साथ मिलकर डेवलप किया था। बाद में उन्हें ही इस कहानी या कॉन्सेप्ट का क्रेडिट नहीं दिया गया। एक्टर ने यह भी कहा कि अक्षय कुमार के इस प्रोजेक्ट से जुड़ने के बाद कहानी में काफी बदलाव किए गए, जिसकी वजह से उन्होंने फिल्म से अलग होने का फैसला किया। उन्होंने बताया कि उनकी ओरिजिनल कहानी पिता-बेटे के रिश्ते पर आधारित एक ड्रामा थी, जिसमें यौन शिक्षा, लोगों के बीच बेइज्जती और न्याय के लिए माता-पिता की लड़ाई जैसे मुद्दे शामिल थे।

लाइफ Style

कृति

सनकी लड़की का रोल करना चाहती हूं

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

कृति सेनन का कहना है कि अब वे लीक से हटकर किरदारों के जरिए खुद को चुनौती देने के लिए उत्साहित हैं। अभिनेत्री ने माना कि वे जाने-पहचाने किरदारों से आगे बढ़ना चाहती हैं और उन्हें खास तौर पर साइकोलॉजिकली इंटेंस किरदार पसंद हैं। उन्होंने कहा कि वे पर्दे पर 'साइको चिक' का रोल निभाना पसंद करेंगी।

कृति सेनन ने हाल ही में एक बातचीत में उस तरह के किरदारों के बारे में बात की, जिन्हें वे भविष्य में आजमाना चाहती हैं। उन्होंने बताया कि साइकोलॉजिकल ड्रामा 'ऑब्सेशन' देखने के बाद उन्हें स्क्रिप्ट चुनने के अपने तरीके पर फिर से सोचने की प्रेरणा मिली। फिल्म के असर के बारे में बात करते हुए कृति ने कहा, 'जब मैंने 'ऑब्सेशन' देखी, तो मुझे लगा, 'अरे बाप रे, हमें सेफ खेलने की आदत छोड़नी होगी। हमें कुछ हटकर करना होगा'। इसने मुझे सच में बहुत उत्साहित किया। कृति सेनन एक 'साइको' लड़की का किरदार निभाना चाहती हैं। एक्ट्रेस ने जेंडाया जैसे स्टार्स को भी इसका क्रेडिट दिया, जिन्होंने अपनी शानदार परफॉर्मेंस मुश्किल किरदारों को निभा पाने की हिम्मत से प्रेरित किया है। कृति ने रियल पर्सनैलिटी से बिल्कुल हटकर किरदार निभाने की ख्वाहिश जताई। उन्होंने कहा, 'मैं एक सनकी किरदार निभाना चाहती हूं'। कृति सेनन ने कहा, 'मैं किरदारों को लेकर सेफ साइड में नहीं चलना चाहती। एक अभिनेत्री के रूप में, ऐसा जीवन जीना बहुत रोमांचक है, जो आपके जीवन से बिल्कुल अलग है और उस व्यक्ति का पता लगाना जो आप नहीं हैं। मैं पूरी तरह से किसी मानसिक रोगी का किरदार निभाना पसंद करूंगी'। कृति के वर्क फ्रंट की बात करें तो हाल ही में उन्हें 'कॉकटेल 2' में देखा गया।

हॉलीवुड मसाला

बड़े शहरों में द ओडिसी के टिकट काफी महंगे

नई दिल्ली। क्रिस्टोफर नोलन की मच अवेटेड फिल्म 'द ओडिसी' शुक्रवार को थिएटर्स में रिलीज हो चुकी है। टिकट की कीमतें चौंकाने वाली हैं। पुणे के आईएनओएक्स मेगाप्लेक्स में रिक्लाइनर सीट की कीमत 3,400 है। मुंबई के लोअर परेल स्थित पीवीआर आइकान, फीनिक्स पैलेडियम में यही सीट 3,100 में मिल रही है। वहीं, दिल्ली-एनसीआर के पीवीआर आईमैक्स (प्रिया) में टिकट 2,500 तक पहुंच गए हैं। बेंगलुरु में सिनेपोलिस नेक्सस शांतिनिकेतन में एक टिकट 1,950 का है, जबकि आईएनओएक्स साउथ सिटी मॉल में टिकट 1,240 तक मिल रहा है। फिल्म को लेकर दर्शकों में काफी एक्साइटमेंट है और एडवांस बुकिंग भी तेजी से हो रही है।

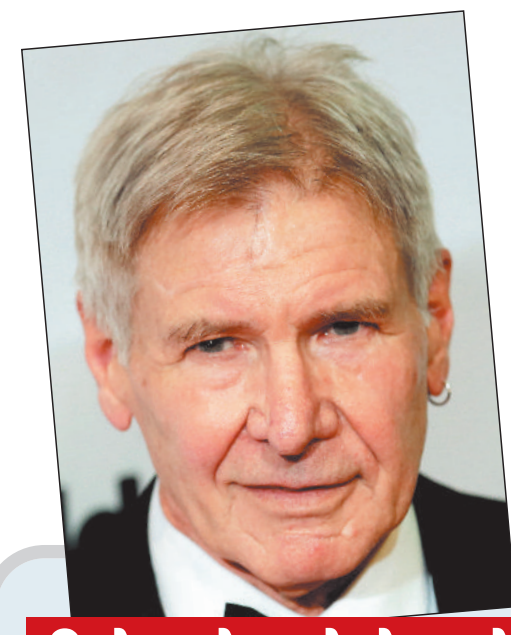

सिनेमा में आने से पहले करता था कारपेंटर का काम

नई दिल्ली। ऐसे कई एक्टर हुए, जिन्होंने अपने स्ट्रगल के दिनों में छोटे- मोटे काम किए और फिर सिनेमा के बड़े स्टार बने. उनके टैलेंट को पूरी दुनिया ने सराहा। आज हम ऐसे ही एक एक्टर के बारे में बताने जा रहे हैं। वो एक्टर हैं हैरिसन फोर्ड। 1960 के दशक के आखिर में संघर्ष कर रहे हैरिसन फोर्ड ने अपने परिवार का खर्च चलाने के लिए लाइब्रेरी की किताबों को पढ़ कर कारपेंटरी (बढ़ई का काम) सीखी और वह हॉलीवुड सेलेब्स के बीच पसंदीदा कारीगर बन गए। 1975 में जब वह उस ऑफिस में दरवाजा लगा रहे थे, जहां जॉर्ज 'स्टार वॉर्स' के लिए ऑडिशन ले रहे थे। तब फोर्ड से ऑडिशन देने वाले एक्टर्स के साथ डायलॉग पढ़ने के लिए कहा गया। उनकी प्रतिभा को देखते हुए उन्हें 'हान सोलो' के रोल के लिए चुना गया। फोर्ड 1960 के दशक में हॉलीवुड आए और कोलंबिया पिक्चर्स के साथ कॉन्ट्रैक्ट साइन किया। उन्हें सिर्फ छोटे-मोटे और असंतोषजनक रोल मिले, जिनसे मुश्किल से ही गुजारा हो पाता था।

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में लोग सपोर्ट नहीं करते

मुंबई। अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह कई तेलुगु और हिंदी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। हाल ही में उन्होंने दोनों इंडस्ट्रीज में काम करने के माहौल के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि उन्हें लगता है कि टॉलीवुड में लोग एक बड़े परिवार की तरह काम करते हैं, जबकि बॉलीवुड में माहौल अलग होता है। रकुल प्रीत सिंह ने बताया कि तेलुगु इंडस्ट्री ने हमेशा उनका गर्मजोशी से स्वागत किया है और सपोर्ट किया है। रकुल के मुताबिक, वहां के एक्टर्स, डायरेक्टर्स और प्रोड्यूसर्स हमेशा एक-दूसरे का हौसला बढ़ाने के लिए तैयार रहते हैं। उन्होंने कहा कि वे खुशी-खुशी एक-दूसरे के ट्रेलर को प्रमोट करते हैं। दूसरी ओर, उन्होंने कहा कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में उन्हें अक्सर लोगों में असुरक्षा की भावना महसूस होती है। उन्होंने कहा कि इसी वजह से कई लोग खुलकर दूसरों की फिल्मों को सपोर्ट नहीं करते हैं।

4000 करोड़ की रामायण में भगवान शिव बनेगा ये एक्टर

नई दिल्ली। नितेश तिवारी की 'रामायण' में भगवान शिव के किरदार के लिए मोहित रैना का नाम सबसे आगे चल रहा है। हालांकि, फिल्म के मेकर्स की ओर से अभी तक इस कास्टिंग को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। इसके बावजूद सोशल मीडिया और फिल्मी गलियारों में लगातार यही दावा किया जा रहा है कि मेकर्स इस अहम भूमिका के लिए मोहित रैना को लेकर काफी उत्साहित हैं। मोहित रैना ने टीवी के पॉपुलर शो 'देवों के देव... महादेव' में भगवान शिव का किरदार निभाकर जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की थी। उनकी एक्टिंग, डायलॉग्स और स्क्रीन प्रेजेंस ने इस किरदार को दर्शकों के बीच बेहद खास बना दिया था। यही वजह रही कि आज भी बड़ी संख्या में लोग उन्हें 'महादेव' के नाम से पहचानते हैं। अगर रिपोर्ट्स सही साबित होती हैं तो लंबे समय बाद दर्शकों को एक बार फिर उन्हें भगवान शिव के रूप में देखने का मौका मिल सकता है।

टीवी मसाला

सोनू ने गाया था दूरदर्शन के पॉपुलर शो का गाना

नई दिल्ली। टीवी पर सिर्फ एक धुन बजती थी।.. और अगले ही पल पूरा घर चुप हो जाता था। बच्चों की बातें रुक जाती थीं, बड़े भी अपनी जगह छोड़ने का नाम नहीं लेते थे। जैसे-जैसे गाने की धुन आगे बढ़ती, वैसे-वैसे तिलिस्म और रोमांच से भरी एक नई दुनिया का दरवाजा खुलने लगता था। मजेदार बात ये है कि उस धुन को सुनकर करोड़ों लोगों ने बचपन बिताया, लेकिन उसकी आवाज के पीछे कौन था, ये राज आज भी बहुत कम लोग जानते हैं। फिल्मों में अपनी आवाज का जादू बिखेरने से पहले एक मशहूर सिंगर ने दूरदर्शन के इस सुपरहिट शो को अपनी आवाज देकर हमेशा के लिए यादगार बना दिया। ये शो था 'चंद्रकांता', जिसने 90s में दूरदर्शन पर आते ही दर्शकों को अपना दीवाना बना लिया था। शो की कहानी जितनी दिलचस्प थी, उसका टाइटल सॉन्ग भी उतना ही खास था। बहुत कम लोग जानते हैं कि इस यादगार टाइटल ट्रैक को सोनू निगम ने अपनी आवाज दी थी। उनकी आवाज ने शो के रहस्यमयी माहौल को ऐसा रंग दिया कि पहली धुन बजते ही लोग टीवी के सामने टिक जाते थे। तिलिस्म, ऐयारी, प्यार और सस्पेंस से भरी चंद्रकांता की दुनिया हर हफ्ते दर्शकों को नई रोमांचक यात्रा पर ले जाती थी। लेकिन शो का टाइटल सॉन्ग भी इसकी सबसे बड़ी पहचान बन गया. उस दौर में ना सोशल मीडिया था और ना ही यूट्यूब, फिर भी लोग इसकी धुन गुनगुनाते थे। यही वजह है कि आज भी ये गाना सुनते ही 90s की ढेर सारी यादें ताजा हो जाती हैं।

आकांक्षा के कारण असहज हो जाते हैं धीरज

नई दिल्ली। टीवी एक्टर धीरज धूपर ने रियलिटी शो "लॉक अप: सच या सजा" में अपनी को-कंटेस्टेंट आकांक्षा चमोला को 'रेड फ्लैग' कहा है, क्योंकि उनके व्यवहार से धीरज को असहज महसूस होता है। शो के आने वाले 'जजमेंट डे' एपिसोड में एक्टर अर्जुन कपूर धीरज से पूछेंगे कि वह आकांक्षा को क्या टैग देना चाहेंगे। आकांक्षा ने पहले खुलकर खुद को 'बाइसेक्सुअल' बताया था और बाद में शो के दौरान खुद को 'एसेक्सुअल' कहा। धीरज ने उन्हें रेड फ्लैग का टैग दिया और इसकी वजह भी बताई। उन्होंने कहा, रेड फ्लैग, जिस तरह से वह व्यवहार करती हैं, उससे मैं असहज हो जाता हूं। उन्होंने पामेला सेरेना के साथ आकांक्षा की करीबी बॉन्डिंग की ओर भी इशारा किया. धीरज की बात सुनकर आकांक्षा नाराज हो गईं और कहा- ऐसा लग रहा है जैसे मैं आपको शारीरिक रूप से असहज कर रही हूं। नेटफ्लिक्स के इस शो में आकांक्षा चौधरी, योगेश रावत, राम कपूर, श्रेया कालरा, शिवांगी जोशी, हर्षद चोपड़ा, सूफी मोतीवाला, धीरज धूपर और वरुण यादव (उर्फ लैला) जैसे मशहूर नाम शामिल हैं।

7 महीने की प्रेग्नेंसी में किया ताबड़तोड़ एक्शन

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण पर्दे पर कई तरह के रोल कर चुकी हैं। उन्होंने रोमांटिक हीरोन से लेकर एक्शन हीरोइन तक माना जाता है। दीपिका पादुकोण इन दिनों प्रेग्नेंट हैं। लेकिन, इस दौरान भी दिग्गज एक्ट्रेस का जज्बा कम होने का नाम नहीं ले रहा है। दीपिका पादुकोण अपनी तीसरी तिमाही में भी रुके बिना काम कर रही हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, दीपिका अपनी आने वाली फिल्म राका की शूटिंग लगातार चला रही हैं। आठ घंटे की तय शिफ्ट और वर्क-लाइफ बैलेंस की वकालत के बावजूद वे फिल्म को समय पर पूरा करने के लिए पूरी तरह समर्पित हैं।सात महीने की प्रेग्नेंसी में दीपिका नाइट शिफ्ट्स कर रही हैं और बेहद चुनौतीपूर्ण एक्शन सीक्वेंस शूट कर रही हैं। मैटरनिटी लीव से पहले वे इस प्रोजेक्ट को पूरा करने पर पूरा ध्यान दे रही हैं। फिल्म की टीम दीपिका के प्रोफेशनलिज्म से काफी प्रभावित है। टीम के एक सदस्य ने कहा, "दीपिका ने मैटरनिटी ब्रेक से पहले फिल्म पूरी करने का फैसला कर लिया था। कुछ एक्शन सीक्वेंस बेहद मुश्किल और थकाऊ थे, लेकिन उन्होंने हर चुनौती को पार कर लिया. सेट पर उनका यह जुनून सबके लिए प्रेरणादायक है। साथ ही घर पर उनकी डेढ़ साल की बेटी को भी वे पूरा समय और प्यार दे रही हैं।" राका एटली की महत्वाकांक्षी साइंस-फिक्शन फैंटेसी एक्शन फिल्म है, जिसमें अल्लू अर्जुन और दीपिका पादुकोण मुख्य भूमिकाओं में हैं। बड़े बजट वाली इस पैन-इंडिया फिल्म में शानदार विजुअल इफेक्ट्स और दमदार एक्शन सीक्वेंस देखने को मिलेंगे.

बंटवारा 1947 से पहले रिलीज हो रही हैं सनी की ये 3 फिल्में

मुंबई। सनी देओल अगले महीने फिर से पर्दे पर नजर आने वाले हैं। उनकी फिल्म बंटवारा 1947 सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। यह फिल्म 14 अगस्त को बड़े पर्दे पर दस्तक देगी। लेकिन, उससे पहले सनी देओल की लगातार तीन हफ्ते में तीन फिल्में रिलीज होने वाली हैं। सनी देओल बॉलीवुड के दिग्गज कलाकारों में से एक हैं। फैंस उनकी फिल्म का बेसब्री से इंतजार करते हैं। आने वाले 20 दिन के अंदर सनी देओल ने तीन बड़ी हिट फिल्में फिर से सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली हैं।

कौन-कौन सी फिल्में होंगी रिलीज

दरअसल, पीवीआर इनॉक्स सनी देओल और राजकुमार संतोषी की शानदार विरासत का जश्न मना रहा है। इसके लिए वे 90 के दशक की तीन यादगार ब्लॉकबस्टर फिल्मों को फिर से रिलीज कर रहे हैं। इस रेट्रोस्पेक्टिव की शुरुआत 24 जुलाई को दामिनी से होगी, इसके बाद 31 जुलाई को घातक और 7 अगस्त को घायल को सिनेमाघरों में दिखाया जाएगा। यह दर्शकों को 14 अगस्त को 'बंटवारा 1947' की रिलीज से पहले बड़े पर्दे पर इन क्लासिक फिल्मों का अनुभव करने का मौका देता है। यह पहल भारतीय सिनेमा की सबसे मशहूर फिल्ममेकर-एक्टर जोड़ी को सम्मान देती है और साथ ही पुराने फैंस और नई पीढ़ी के दर्शकों को इन यादगार फिल्मों को एक बार फिर थिएटर में देखने के लिए आमंत्रित करती है। बात करें फिल्म 'दामिनी' की तो यह फिल्म पहली बार साल 1993 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म को बड़े पर्दे पर खूब पसंद किया गया था। 'दामिनी' में सनी देओल के साथ ऋषि कपूर,मीनाक्षी शेषाद्री और अमरीश पुरी मुख्य भूमिका में हैं। वहीं, फिल्म घातक में साल 1996 में सिनेमाघरों में आई थी। इस फिल्म ने उस वक्त बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दी थी। 'घायल' की सनी देओल के कॅरियर की कल्ट फिल्मों में से एक है। यह फिल्म 1990 में रिलीज हुई थी। इन सभी फिल्मों में सनी देओल के साथ मीनाक्षी शेषाद्री मुख्य भूमिका में थीं।

पर्दे पर शायर बनते-बनते रह गए, लीना के साथ आने वाले थे नजर

57 साल पहले डिब्बा बंद हुई थी अमिताभ की फिल्म

एजेंस ⏭ नई दिल्ली

अमिताभ बच्चन को आज के समय में हिंदी सिनेमा का महानायक माना जाता है। पिछले 6 दशकों से ज्यादा लंबे करियर में अमिताभ ने एक से बढ़कर एक मूवीज के जरिए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया है। ज्यादा बातें उनकी हिट फिल्मों की जाती है, लेकिन आज चर्चा बिग बी की उस फिल्म के बारे में होगी, जिसमें अमिताभ बच्चन एक शायर की भूमिका निभाने वाले थे। ये एक बायोपिक मूवी थी और इसकी शूटिंग भी शुरू हो गई थी। लेकिन. फिर बाद में जाकर ये डिब्बा बंद हो गई। आइए जानते हैं कि अमिताभ बच्चन की 57 साल पुरानी वह फिल्म कौन सी थी।

मिर्जा गालिब पर बनी हैं ये फिल्म

अमिताभ बच्चन बेशक पर्दे पर शायर मिर्जा गालिब की भूमिका नहीं निभा पाए। लेकिन, इस शायर की जिंदगी पर बनी सबसे मशहूर फिल्म मिर्जा गालिब (1954) में दिग्गज अभिनेता रहे भरत भूषण ने मुख्य भूमिका निभाकर वाहवाही लूटी थी।

कुछ दिनों की शूटिंग के बाद बंद हो गई

फिल्म की कास्ट के स्क्रीन टेस्ट भी हो गए थे, जिसमें अमिताभ ने सभी को प्रभावित किया। इसी वजह से सवान कुमार ने मिर्जा गालिब के शुरुआती सीन्स को भी फिल्मा लिया था। लेकिन, कुछ दिनों की शूटिंग के बाद मिर्जा गालिब बंद हो गई। आईएमडीबी की रिपोर्ट में ये दावा किया जाता है कि इस मूवी के निर्माताओं का अमिताभ बच्चन की आवाज और दुबले-पतले शरीर को लेकर स्क्रीन प्रजेंस पर संदेह होने लगा। उन्होंने मिर्जा गालिब पर पैसा लगाने से मना कर दिया और सावन कुमार टांक की मूवी से हाथ पीछे खींच लिए। इस तरह से अमिताभ बच्चन और लीना चंदावरकर की मिर्जा गालिब ठंडे बस्ते में चली गई और फिर कभी रिलीज नहीं हो पाई।

सावन कुमार ने बनाई थी फिल्म बनाने की योजना

साल 1969 में आई निर्देशक ख्वाजा अहमद अब्बास की फिल्म सात हिंदुस्तानी से अमिताभ बच्चन ने बतौर अभिनेता हिंदी सिनेमा में कदम रखा था। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि इससे पहले एक और ऐसी फिल्म बन रही थी, जिससे बिग बी का डेब्यू हो सकता था। इसी साल निर्देशक सावन कुमार टांक ने एक फिल्म बनाने की योजना बनाई थी, जिसका नाम था- मिर्जा गालिब। जी हां, मशहूर शायर रहे मिर्जा गालिब की बायोपिक में अमिताभ बच्चन को लीड एक्टर के तौर पर चुना गया। उनके साथ इस मूवी में अभिनेत्री लीना चंदावरकर को कास्ट किया गया था। सब कुछ सही चल रहा था।

खबर संक्षेप

रीता सरकार को मिली डॉक्टरेट की उपाधि

अम्बिकापुर। श्री साई बाबा आदर्श स्नातकोत्तर महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापक रीता सरकार को संत गहिरा गुरू विश्वविद्यालय ने डॉक्टरेट उपाधि प्रदान की है। उन्होंने राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के राजनीति शास्त्र शोध केंद्र से प्रो.जेसिन्ता मिंज के मार्गदर्शन में पॉलीटेक्निक कल्चर एमंग पंडो-ए स्टडी विथ रिफरेंस टू सरगुजा डिस्ट्रिक्ट विषय पर शोध कार्य किया है।

मैनपाट से रायपुर के लिए यात्री बस का संचालन प्रारंभ, लोगों को मिलेगा लाभ

मैनपाट। क्षेत्र के लोगों द्वारा लंबे समय से रायपुर तक की बस संचालन की मांग पर गत दिनों मैनपाट से रायपुर तक के लिए बस सेवा प्रारंभ हुआ। यात्री बस के शुरू हो जाने से क्षेत्र के लोग काफी खुश है। मैनपाट से रायपुर के लिए यात्री बस की शुरुआत 15 जुलाई से शुरू हो गया। यह बस मैनपाट से सीतापुर, पत्थलगांव, लैलूंगा, घरघोड़ा, रायगढ़ से होते हुए बिलासपुर एवं रायपुर तक जाएगी। मैनपाट से रायगढ़ की ओर जाने वाले यात्रियों को इसका फायदा मिलेगा। लम्बे समय से क्षेत्र के लोग रायगढ़ की ओर जाने वाली बस सेवा की मांग कर रहे थे। दो यात्री बसों के संचालन शुरू होने से यात्रियों को काफी सुविधा होगी।

आरटीई के तहत निजी स्कूलों में मिलेगा प्रवेश

बैकुण्ठपुर। निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम, 2009 के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए निजी विद्यालयों में कक्षा पहली की रिक्त सीटों पर प्रवेश हेतु तृतीय एवं अंतिम चरण की ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। इस संबंध में संचालक, लोक शिक्षण संचालनालय, इन्द्रावती भवन, नवा रायपुर द्वारा जारी निदेशों के अनुसार विस्तृत समय-सारणी जारी की गई है। जिला शिक्षा अधिकारी, कोरिया ने बताया कि निजी विद्यालयों में आरटीई की रिक्त सीटों पर अधिक से अधिक पात्र बच्चों को प्रवेश दिलाने के उद्देश्य से यह अंतिम चरण संचालित किया जा रहा है। अभिभावकों से निर्धारित तिथियों के भीतर आरटीई पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करने तथा आवश्यकता होने पर पूर्व आवेदन में संशोधन करने की अपील की गई है।

यह रहे महत्वपूर्ण चरण- 21 जुलाई 2026 तक जिला स्तर पर विद्यालयवार आरटीई की रिक्त सीटों का प्रकाशन, 22 जुलाई से 5 अगस्त तक पात्र अभिभावकों द्वारा आरटीई पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन एवं पूर्व आवेदनों में संशोधन। 25 जुलाई से 7 अगस्त तक नोडल प्राचार्यों द्वारा प्राप्त आवेदनों का परीक्षण, सत्यापन तथा पात्र एवं अपात्र आवेदनों की पोर्टल पर प्रविष्टि। 10 अगस्त से 14 अगस्त तक ऑनलाइन लॉटरी/काउंसलिंग के माध्यम से चयनित बच्चों की सूची (आवंटन) जारी की जाएगी। 17 अगस्त से 25 अगस्त तक चयनित बच्चों का संबंधित निजी विद्यालयों में प्रवेश सुनिश्चित किया जाएगा और 20 अगस्त से 27 अगस्त 2026 तक नोडल प्राचार्यों द्वारा प्रवेशित बच्चों की अंतिम प्रविष्टि आरटीई पोर्टल पर दर्ज की जाएगी। जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी पात्र अभिभावकों से अपील की है कि वे निर्धारित समय-सीमा का पालन करते हुए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया पूर्ण करें, ताकि उनके बच्चों को आरटीई के तहत निजी विद्यालयों में निःशुल्क प्रवेश का लाभ मिल सके।

शाला प्रवेश उत्सव में विद्यार्थियों का किया गया स्वागत, दी गई पुस्तकें

अम्बिकापुर। शासकीय उच्चतर माध्यामिक विद्यालय, खलीबा में जिपं सदस्य श्रीमती दिव्या सिंह सिसोदिया, जपं के सभापति विजय व्यापारी के आतिथ्य एवं प्राचार्य श्रीमती मीना पुरोहित की अध्यक्षता में शाला प्रवेश उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं का तिलक-चंदन एवं मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया तथा निःशुल्क पाठ्यपुस्तके वितरित की गई।

एग्रीस्टैक पंजीयन के लिए लगे विशेष शिविर

हरिभूमि न्यूज. बैकुण्ठपुर

जिले के किसानों को कृषि एवं किसान कल्याण योजनाओं का लाभ सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शनिवार को जिले की सभी सहकारी समितियों में एग्रीस्टैक फार्मर आईडी पंजीयन के लिए विशेष शिविर आयोजित किए गए। कलेक्टर रोक्तिमा यादव के निर्देश पर आयोजित इन शिविरों में बड़ी संख्या में किसान पहुंचे और अपना पंजीयन कराया।

कलेक्टर रोक्तिमा यादव ने कहा कि किसानों के हित जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि एग्रीस्टैक फार्मर आईडी भविष्य में किसानों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। प्रत्येक पात्र व पंजीयन से छूटे हुए किसान समय रहते अपना पंजीयन अवश्य करा ले, ताकि किसी भी शासकीय योजना का लाभ लेने में कोई कठिनाई न हो। उन्होंने कहा कि 'अन्नदाताओं की हर सुविधा का जिला प्रशासन पूरा ध्यान रखेगा और हर पात्र किसान तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना हमारी जिम्मेदारी है। कृषि विभाग के अनुसार अब विभागीय योजनाओं का लाभ केवल भूमि स्वामी अथवा उनके द्वारा अधिकृत व्यक्ति को फार्मर आईडी के आधार पर मिलेगा। वर्तमान में संयुक्त खाताधारकों के लिए भी अलग-अलग फार्मर आईडी पंजीयन की सुविधा उपलब्ध है। यदि किसी खाते या ऋण पुस्तिका में एक से अधिक लोगों के नाम दर्ज हैं, तो सभी खाताधारक अलग-अलग पंजीयन करा सकते हैं। वहीं अलग-अलग खसरा नंबर होने पर प्रत्येक खाताधारक को अपने-अपने खसरे के आधार पर पंजीयन कराना आवश्यक होगा।

ऑनलाइन पंजीयन की सुविधा

अधिकारियों ने बताया कि जिन किसानों का शिविर में पंजीयन नहीं हो पाया है, वे राज्य के एग्रीस्टैक प्लेटफॉर्म पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा निकटतम कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) अथवा सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से भी पंजीयन कराया जा सकता है। एग्रीस्टैक फार्मर आईडी के लिए आधार कार्ड, ई-केवाईसी, आधार से लिंक मोबाइल नंबर तथा बी-1 दस्तावेज आवश्यक हैं। अधिक जानकारी के लिए किसान अपने क्षेत्र के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, पटवारी, कृषि विभाग, राजस्व विभाग अथवा निकटतम सीएससी केंद्र और सेवा सेतु पोर्टल से संपर्क कर सकते हैं।

एसपी ने नौगई हत्याकांड स्थल का किया निरीक्षण

बैकुण्ठपुर। जिले के नव पदस्थ पुलिस अधीक्षक हरीश राठौर ने नौगई हत्याकांड के घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद थाना सोनहत का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाना परिसर, मालखाना, शस्त्रागार, हवालात, सीसीटीएनएस कक्ष, अभिलेखों एवं अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर थाना क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान एसपी राठौर ने थाना परिसर की स्वच्छता, अभिलेखों के सुव्यवस्थित संधारण तथा लंबित अपराध, शिकायत, मर्ग एवं गुमशुदगी प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने गंभीर अपराधों की गुणवत्तापूर्ण विवेचना सुनिश्चित करने, थाना क्षेत्र में किरायेदारों का सत्यापन पूर्ण करने और कानून-व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया। साथ ही झगड़ेलू ग्राम कटगोड़ी का नियमित भ्रमण कर सरपंच से सतत संपर्क बनाए रखने के निर्देश भी दिए। पुलिस अधीक्षक श्री राठौर ने थाना स्टाफ की कार्यप्रणाली की समीक्षा करते हुए फरियादियों के साथ संवेदनशील, शालीन एवं सम्मानजनक व्यवहार करने, प्रत्येक शिकायत का त्वरित एवं निष्पक्ष निराकरण सुनिश्चित करने तथा महिला, बालक एवं वरिष्ठ नागरिकों से जुड़े मामलों में विशेष प्राथमिकता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने अपराध नियंत्रण, ग्राम भ्रमण, रात्रि गश्त, स्थायी वारंटों की तामील, फरार आरोपियों की गिरफ्तारी, नशे के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई, गुंडा एवं बदमाश तत्वों पर सतत निगरानी तथा यातायात व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने पर विशेष जोर दिया। भ्रमण के अंत में एसपी राठौर ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अनुशासन, पारदर्शिता, जवाबदेही और टीम भावना के साथ कार्य करते हुए आमजन में सुरक्षा, विश्वास एवं कानून के प्रति सम्मान का वातावरण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर उप पुलिस अधीक्षक श्याम मधुकर, थाना प्रभारी, विवेचक एवं थाना स्टाफ उपस्थित रहे।

सोनम वांगचुक के साथ अपराधियों जैसा व्यवहार

हरिभूमि न्यूज. मनेन्द्रगढ़

पूर्व नगर पालिकाध्यक्ष राजकुमार केशरवानी ने सामाजिक कार्यकर्ता एवं पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर से पुलिस द्वारा हटाकर सफदरजंग अस्पताल ले जाने की कार्रवाई की कड़ी भर्त्सना करते हुए कहा कि यह केवल एक व्यक्ति के साथ हुआ व्यवहार नहीं, बल्कि देश के लोकतंत्र, संविधान और नागरिक स्वतंत्रता पर सीधा हमला है।

केशरवानी ने कहा कि जिस प्रकार पूरी रात और सुबह जंतर-मंतर क्षेत्र को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया, चारों ओर घेराबंदी की गई, कपड़ों की आड़ लगाकर पूरे घटनाक्रम को जनता और मीडिया की नजरों से छिपाने का प्रयास किया गया तथा एक शांतिपूर्ण अनशनकारी को ऐसे उठाया गया मानो वह कोई आतंकवादी या दुर्दांत अपराधी हो, वह मोदी सरकार के लोकतांत्रिक चरित्र पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाता है। पूर्व जनपद सदस्य रफीक मेमन ने कहा कि भाजपा सरकार को आज देश की जनता की आवाज से डर लगने लगा है। किसानों का आंदोलन हो, युवाओं का आंदोलन हो, महिलाओं का आंदोलन हो, छात्रों का आंदोलन हो या अब सोनम वांगचुक का शांतिपूर्ण सत्याग्रह—हर जगह सरकार का पहला जवाब पुलिस, बैरिकेड और दमन बन गया है। ब्लाक कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष राजेश शर्मा ने कहा कि जो सरकार एक अनशनकारी से संवाद करने का साहस नहीं जुटा सकती, वह लोकतंत्र चलाने का नैतिक अधिकार खो देती है।

लोकतंत्र में सरकारें जनता से बात करती हैं, जनता पर बल प्रयोग नहीं करतीं। उन्होंने कहा कि आज भाजपा लोकतंत्र को बहुमत का अहंकार समझ बैठी है, जबकि भारतीय संविधान सरकार को जवाबदेह बनाता है, निरंकुश नहीं। यदि सरकार हर असहमति को अपराध मानेगी, तो यह देश लोकतंत्र नहीं बल्कि भय और दमन की राजनीति की ओर धकेला जाएगा। पार्षद अनिल प्रजापति ने आरोप लगाया कि भाजपा की राजनीति का मूल मंत्र अब ₹प्रश्न पूछो तो देशद्रोही, विरोध करो तो अपराधी और अधिकार मांगो तो पुलिस कार्रवाई₹ बन गया है। लेकिन देश की जनता यह सब देख रही है और लोकतांत्रिक अधिकारों पर किसी भी हमले को कभी स्वीकार नहीं करेगी। पार्षद स्वप्निल सिन्हा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी राहुल गांधी के नेतृत्व में संविधान, लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार की रक्षा के लिए सड़क से संसद तक संघर्ष करती रहेगी। महात्मा गांधी की धरती पर सत्याग्रह को अपराध की तरह कुचलने का हर प्रयास लोकतंत्र के इतिहास में काले अध्याय के रूप में दर्ज होगा। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि सोनम वांगचुक के साथ हुई कार्रवाई पर तत्काल स्पष्टीकरण दिया जाए, आंदोलनरत पक्षों के साथ सम्मानजनक संवाद शुरू किया जाए तथा देश में लोकतांत्रिक अधिकारों के संरक्षण की संवैधानिक जिम्मेदारी निभाई जाए।

प्रोजेक्ट साक्षम से सशक्त होंगी बेटिया, दो दिवसीय प्रशिक्षण

मनेंद्रगढ। छत्तीसगढ़ जनजाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग तथा रूम टू रीड इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में संचालित प्रोजेक्ट साक्षम- शिक्षा, आत्मविश्वास एवं समानता के अंतर्गत शुक्रवार को एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय खड़गवां के ऑडिटोरियम में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। वर्ष 2026 से 2029 तक संचालित होने वाली इस तीन वर्षीय परियोजना का उद्देश्य छात्रावासों में निवासरत कक्षा 6वीं से 10वीं तक अध्ययनरत बालिकाओं को जीवन कौशल, आत्मविश्वास, स्व-निर्णय क्षमता तथा लैंगिक समानता के माध्यम से सशक्त बनाना है। कार्यशाला का शुभारंभ सहायक आयुक्त और ट्रेनर शैलेन्द्र भारद्वाज द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और सही निर्णय लेने की योग्यता विकसित करना भी उतना ही आवश्यक है। प्रोजेक्ट साक्षम बालिकाओं को जीवन की व्यक्तिगत, सामाजिक, शैक्षणिक एवं भविष्य से जुड़ी चुनौतियों का आत्मविश्वास और विवेकपूर्ण ढंग से सामना करने के लिए तैयार करेगा। प्रशिक्षण कार्यशाला में जिला एमसीबी अंतर्गत संचालित प्री-मैट्रिक छात्रावासों की अधीक्षक एवं विभिन्न विकासखंडों के मंडल संयोजक सहभागिता कर रहे हैं। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को किशोरावस्था, जीवन कौशल, लैंगिक समानता, प्रभावी संवाद कौशल, नेतृत्व विकास तथा गतिविधि आधारित शिक्षण एवं फैसिलिटेशन तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। समूह चर्चा, सहभागितापूर्ण अभ्यास और विभिन्न शिक्षण गतिविधियों के माध्यम से प्रतिभागियों को छात्रावासों में बालिकाओं के समग्र विकास के लिए आवश्यक कौशल विकसित करने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। परियोजना के अंतर्गत बालिकाओं को आत्मविश्वासी, जागरूक एवं सशक्त बनाते हुए उन्हें कक्षा 10वीं एवं 12वीं की शिक्षा सफलतापूर्वक पूर्ण करने, उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करने तथा अपने उज्ज्वल भविष्य के निर्माण की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा।

विधायक कप फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन

डोमन हिल। अमर कुंज क्रीड़ांगन डोमनहिल में एमसीबी फुटबॉल क्लब एवं चिरमिरी फुटबॉल संघ के तत्वावधान में आयोजित अंतरजिला रात्रिकालीन विधायक कप फुटबॉल प्रतियोगिता में खेल प्रेमियों का उत्साह देखा जा रहा है खेल प्रेमी युवाओं के साथ ही साथ महिलाएं भी पहुंच कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन कर रही हैं। प्रतियोगिता के चौथे दिवस मध्य प्रदेश अनूपपुर जिले के फुटबॉल क्लब एवं एफ सी क्लब चिरमिरी के बीच रोमांचक मुकाबला का प्रदर्शन किया गया जिसमें एफसी क्लब चिरमिरी ने 3-0 से विजय हासिल की वहीं दूसरे मैच में मनेद्रगढ़ तथा बिहार पुर के बीच खेले गए मैच में मनेद्रगढ़ 2-0 से आगे रही। प्रतियोगिता का शुभारंभ भाजपा महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती मालती काशीपुरी सहित कंचन जायसवाल एवं अन्य महिला अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। प्रतियोगिता के संयोजक एवं वरिष्ठ फुटबॉल खिलाड़ी कंचन पाल ने बताया कि उक्त प्रतियोगिता में 27 टीमें हिस्सा ले रही है प्रतिदिन दो मैच मैच आयोजित किया जा रहे हैं, विजेता टीम को 21 हजार और उपविजेता को 15 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। प्रतियोगिता के मुकाबलों का आंखों देखा हाल वरिष्ठ खिलाड़ी सुनील कुमार द्वारा प्रस्तुत किया गया। निर्णायक की भूमिका रणधीर ठाकुर,चंद्रशेखर पोलई पूरन सिंह, संदीप पटेल सहित अन्य निर्णायकों ने अदा की।

एमसीबी में शिक्षा पिछड़ी, फिर भी छात्रावासों का मोह बरकरार!

मनेंद्रगढ़। एमसीबी जिले की शिक्षा व्यवस्था पहले से ही सवालों के घेरे में है। हाल ही में घोषित परीक्षा परिणामों में जिला प्रदेश के सबसे कमजोर प्रदर्शन करने वाले जिलों में शामिल रहा। खराब शैक्षणिक परिणामों के बाद उम्मीद की जा रही थी कि शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए शिक्षकों को केवल अध्यापन कार्य पर केंद्रित किया जाएगा। लेकिन इसके उलट छात्रावासों और आश्रमों के अतिरिक्त प्रभार को लेकर जारी आदेशों ने एक नई बहस छेड़ दी है। चर्चा इस बात की है कि जिन शिक्षकों को छात्रावासों का प्रभार दोबारा सौंपा गया है, उनमें कई ऐसे नाम भी हैं जो पहले से ही अधीक्षक की जिम्मेदारी संभालते रहे हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब जिले का परीक्षा परिणाम चिंताजनक है, तब शिक्षकों को कक्षाओं में अधिक समय देने के बजाय उन्हें फिर से अतिरिक्त प्रशासनिक जिम्मेदारी क्यों दी जा रही है? शिक्षा से जुड़े लोगों का मानना है कि छात्रावास अधीक्षक का दायित्व केवल नाममात्र का नहीं होता। विद्यार्थियों की सुरक्षा, भोजन व्यवस्था, अनुशासन, रिकॉर्ड संधारण, निरीक्षण और दैनिक प्रशासनिक कार्यों की जिम्मेदारी भी उसी के पास होती है। दूसरी ओर शिक्षक का मूल दायित्व विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना है। दोनों जिम्मेदारियां समान रूप से महत्वपूर्ण हैं और दोनों के लिए पर्याप्त समय चाहिए। जिले में यह चर्चा भी तेज है कि छात्रावासों के प्रभार को लेकर इतनी रुचि आखिर क्यों बनी रहती है। यदि यह केवल सेवा भावना का विषय है तो फिर नए लोगों को अवसर क्यों नहीं मिल रहा? यदि यह केवल अस्थायी व्यवस्था है तो वर्षों से एक ही लोगों के पास प्रभार क्यों बना हुआ है? इन सवालों ने पूरे मामले को और अधिक चर्चा का विषय बना दिया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब जिला लगातार कमजोर परीक्षा परिणाम दे रहा है, तब सबसे पहली प्राथमिकता पढ़ाई की गुणवत्ता सुधारना होनी चाहिए। यदि शिक्षक विद्यालय और छात्रावास दोनों की जिम्मेदारी निभाएंगे तो स्वाभाविक रूप से किसी न किसी कार्य पर प्रभाव पड़ सकता है।

कोशले बैकुंठपुर के प्रभारी तहसीलदार बनें

बैकुण्ठपुर। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्रीमती रोक्तिमा यादव ने प्रशासनिक कार्य व्यवस्था को अधिक प्रभावी एवं सुचारु बनाने के उद्देश्य से जिले के तहसीलदारों एवं नायब तहसीलदारों के कार्यक्षेत्र में अस्थायी बदलाव करते हुए नवीन पदस्थापना आदेश जारी किया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है और आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगा। जारी आदेश के अनुसार पोड़ी (बचरा) तहसीलदार मुखदेव प्रसाद यादव को तहसीलदार सोनहत का तहसीलदार बनाया गया है, जबकि तहसीलदार संजय कुमार राठौर को सोनहत से पोड़ी (बचरा) पदस्थ किया गया है। तहसीलदार रोशनी तिर्की को बैकुण्ठपुर से पटना तहसील का प्रभार सौंपा गया है तथा नायब तहसीलदार शुभ कोशले को बैकुण्ठपुर का प्रभारी तहसीलदार नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार नायब तहसीलदार सिराज अहमद को पोड़ी (बचरा) में पदस्थ किया गया है। नायब तहसीलदार प्रीति भगत बैकुण्ठपुर में यथावत कार्यरत रहेंगी। वहीं सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख अभिसार पाण्डेय को सोनहत में यथावत रखते हुए पटना के प्रभारी नायब तहसीलदार का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि यह नई कार्य व्यवस्था आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगी।

- **कोरिया में तहसीलदारों-नायब तहसीलदारों के कार्यक्षेत्र में बदलाव**

सेमरसोत के समीप ट्रक के पीछे टकराई बस, आधा दर्जन से अधिक यात्री घायल

बलरामपुर। गुरुवार की रात नेशनल हाईवे सेमरसोत के समीप दो ट्रक के आमने सामने भिड़ंत हो जाने से पीछे से आ रही बस ट्रक से टकरा गई। वाहन की टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस में सवार लगभग आधा दर्जन से अधिक यात्री घायल हो गए। घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार गुरुवार की रात एक ट्रक बलरामपुर से अंबिकापुर की ओर जा रहा था। ट्रक के पीदे यात्री बस भी रायपुर के लिए जा रही थी।

पृष्ठ 1 का शेष

रेस्क्यू में कुएं से...

उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जनकपुर में प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया। वहीं मुन्नी बाई (50 वर्ष) और बाल कुमारी (65 वर्ष) को मामूली चोटें आईं, जिन्हें उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। घटना के तुरंत बाद वन विभाग ने घायल किशोर को अस्पताल पहुंचाया और पीड़ित परिवार को 10 हजार रुपये की तात्कालिक सहायता राशि प्रदान की। विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि भविष्य में किसी भी वन्यजीव रेस्क्यू अभियान के दौरान अधिकारियों के निर्देशों का पूरी तरह पालन करें, ताकि ऐसी घटनाओं से बचा जा सके।

प्राकृतिक आपदा से बचाव के लिए की गई मॉकड्रिल

बिश्रामपुर। संभावित प्राकृतिक आपदाओं के दौरान त्वरित एवं प्रभावी राहत बचाव कार्य सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ग्राम तेलईकछार केनापारा स्थित पर्यटन स्थल के पोखरी में बाढ़ बचाव एवं अग्निशमन दल द्वारा सूरजपुर कलेक्टर श्रीमती रेना जमील की उपस्थिति में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। मॉक ड्रिल के माध्यम से आपदा की स्थिति में किए जाने वाले राहत एवं बचाव कार्यों का पूर्वाभ्यास किया गया।

अभ्यास के दौरान आपदा प्रबंधन दल को एक व्यक्ति के पोखरी में डूबने की काल्पनिक सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही दल ने तत्काल सक्रियता दिखाते हुए मोटरबोट, गोताखोरों एवं आवश्यक बचाव उपकरणों के साथ घटनास्थल पहुंचकर राहत अभियान प्रारंभ किया। निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप त्वरित कार्रवाई करते हुए टीम ने डूब रहे व्यक्ति का सुरक्षित रेस्क्यू किया। इस दौरान दल द्वारा आपदा प्रबंधन में उपयोग किए जाने वाले विभिन्न उपकरणों के संचालन एवं उनकी उपयोगिता की भी जानकारी दी गई। मॉक ड्रिल के दौरान उपस्थित नागरिकों को बताया गया कि आपदा की स्थिति में घर में उपलब्ध सामान्य संसाधनों का उपयोग कर किस प्रकार प्रारंभिक स्तर पर स्वयं एवं अन्य लोगों की सुरक्षा की जा सकती है। साथ ही आपदा के समय सतर्कता, संयम और सही निर्णय के महत्व से भी अवगत कराया गया। इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने कहा कि आपदा के समय नागरिकों की सावधानी ही उनकी सबसे बड़ी सुरक्षा है। उन्होंने लोगों से अपील किया कि किसी भी आपात स्थिति में घबराने के बजाय संयम बनाए रखें तथा प्रशासन द्वारा जारी दिशा निर्देशों का पालन करें। उन्होंने बताया कि जिले में संभावित बाढ़ एवं अन्य आपदाओं से निपटने के लिए बाढ़ बचाव दल की तैनाती की गई है तथा नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया गया है।

TOP IN KORIYA
GURUKRIPA COLLEGE
ADMISSION GUIDENS 2026-27
SC/ST/OBC FEE Discount 20%

SN.	Cours	Duration	Qualification
1.	BMLT (बेचलर ऑफ मेडिकल लैब टेक्नीसियन)	3 Year	12th Bio
2	DMLT (डिप्लोमा इन मेडिकल लैब टेक्नीसियन)	2 Year	12th Bio
3.	B.Sc Nursing (बेचलर ऑफ साइंस)	4 Year	12th Bio
4.	OT (ऑपरेशन थियेटर असिस्टेंट)	2 Year	12th Bio
5.	B. PHARMA, D. PHARMA (डिप्लोमा इन फार्मेसी)	4 & 2 Year	12th Bio & Maths

Kamla Complex, Nehru Chowk, Bilaspur 07752-796378, 9329528463, 9329536742

DR. ABHIMANYU'S
AYURVEDA MULTISPECIALITY HOSPITAL
PAIN | PANCHKARMA | PILES | PEDIA | GYNAE | SKIN
छत्तीसगढ़ का प्रथम 20 बिस्तरीय हॉस्पिटल जो की पूर्ण रूप से आयुर्वेदिक उपचार को समर्पित
समस्त रोगों का आयुर्वेदिक पद्धति द्वारा इलाज
◆ हड्डी एवं जोड़ों का दर्द ◆ नसों का रोग ◆ मानसिक रोग ◆ त्वचा एवं बालों का रोग ◆ स्त्री रोग ◆ मूत्र संबंधी रोग ◆ मधुमेह (डायबिटीज़) ◆ नेत्र रोग ◆ किडनी संबंधी रोग ◆ पेट संबंधी विकार ◆ थायराइड मांसपेशी का रोग ◆ अस्थमा ◆ मोटापा ◆ मल द्वार रोग विशेषज्ञ
प्रदेश के समस्त शासकीय अधिकारी/कर्मचारी एवं उनके परिवार के आश्रित सदस्यों के उपचार उपरांत प्रतिपूर्ति (MEDICAL REIMBURSEMENTS) हेतु छ.ग. शासन से मान्यता प्राप्त
सेक्टर -7 B कमल विहार, रायपुर (छ.ग.) 95224-66664, 62622-22003 | सिटी सेन्टर- कृष्णा टॉकीज के सामने, समता कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) 9826446666 | भिलाई सेन्टर-नेहरू नगर (पूर्व), एसबीआई बैंक के पास, भिलाई (छ.ग.) 95224 66605

BHASKAR EYE CARE
भास्कर आई केयर
कालामोतिया नजर चुराता है और दर्द भी नही होता!
प्रदेश के प्रसिद्ध ग्लूकोमा विशेषज्ञ द्वारा सम्पूर्ण कालामोतिया जांच एवं उपचार
लेजर एवं बिना टांकों की ग्लूकोमा MIGS सर्जरी • आंखों की सूखती नस का इलाज
EYE PRESSURE (IOP) • GONIOSCOPY • OCT & FIELD TEST
डॉ. दिलीप लालवानी
नेत्र रोग विशेषज्ञ
फेको सर्जन एवं ग्लूकोमा विशेषज्ञ
MOORFIELDS EYE HOSPITAL, LONDON
ARAVIND EYE HOSPITAL, COIMBATORE
निरंकारी सत्संग भवन के पास, हिंद स्पोर्ट्स फुटबॉल ग्राउंड के पास, ईदगाह भाठा, रायपुर (छ.ग.) 07714024989 | 9329124989

एडवांस्ड यूरोलॉजी सेवाएं अब गावरी नर्सिंग होम में
मूत्र रोग एवं सर्जरी
किडनी की पथरी का संपूर्ण इलाज
प्रोस्टेट का संपूर्ण इलाज
यौन संबंधी समस्याएं
महिलाओं में पेशाब लीक की समस्याएं
DR. ABHISHEK GAWRI
MBBS, MS (Surgery), DrNB (Urology)
Consultant Urologist Andrologist & Reconstructive Surgery
आयुष्मान कार्ड की सुविधा उपलब्ध
फाफाडीह, टिम्बर मार्केट रोड, रायपुर
9827144197, 9827144777

खबर संक्षेप

शिवपुर-चरचा के वार्डों में चला स्वच्छता अभियान

चरचा कॉलरी। नगर पालिका शिवपुर-चरचा के वार्ड क्रमांक 2 एवं 15 में शनिवार को नगर पालिका अध्यक्ष अरुण जायसवाल के नेतृत्व में सघन स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान नालियों एवं सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई कर स्वच्छता बनाए रखने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ पार्षद प्रदीप तिवारी, प्रदीप राजवाड़े एवं लाल मोहम्मद सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं नगर पालिका के कर्मचारी उपस्थित रहे। नगर पालिका अध्यक्ष अरुण जायसवाल ने नागरिकों से अपने आसपास साफ-सफाई बनाए रखने और स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल में छात्र परिषद् चुनाव

मनेन्द्रगढ। संभाग के अग्रणी शिक्षण संस्थान दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल, मनेंद्रगढ़ में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, नेतृत्व क्षमता के संवर्धन तथा लोकतांत्रिक मूल्यों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से छात्र परिषद् के लिए मतदान प्रक्रिया अत्यंत उत्साह, अनुशासन एवं पारदर्शिता के साथ सम्पन्न हुई।

निधन

सुमन देवी

मनेन्द्रगढ़। नगर की वरिष्ठ नागरिक स्वर्गीय सुमन देवी ताम्रकार का

शुक्रवार को पूरे धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ अंतिम संस्कार किया गया। उनकी अंतिम यात्रा पीडब्ल्यूडी तिराहा स्थित निज निवास से दोपहर 2:30 बजे प्रारंभ हुई, जिसमें बड़ी संख्या में परिजन, रिश्तेदार, मित्र, सामाजिक संगठन के प्रतिनिधि एवं नगर के गणमान्य नागरिक शामिल हुए। स्वर्गीय सुमन देवी ताम्रकार, सुधीर ताम्रकार, बबलू ताम्रकार एवं कृष्णकांत ताम्रकार की माताजी थीं।

कभी एमपी से मिलती थी बिजली, अब अपने ही राज्य से आपूर्ति के बावजूद नहीं मिल रही राहत

भरतपुर में लो-वोल्टेज और कटौती से जनता बेहाल

हरिभूमि न्यूज. जनकपुर

एक समय था जब विकासखंड भरतपुर में बिजली की आपूर्ति मध्यप्रदेश से होती थी। राज्य पुनर्गठन के बाद यह क्षेत्र छत्तीसगढ़ में शामिल हुआ और अब यहां बिजली की आपूर्ति अपने ही राज्य से होती है। विडंबना यह है कि देश में बिजली उत्पादन के मामले में अग्रणी राज्यों में शामिल छत्तीसगढ़, जो कई अन्य राज्यों को भी बिजली उपलब्ध कराता है, उसी राज्य के वनांचल क्षेत्र के लोग आज भी नियमित और गुणवत्तापूर्ण बिजली के लिए तरस रहे हैं। एमसीबी जिले से लगभग 115 किलोमीटर दूर स्थित वनांचल विकासखंड भरतपुर के ग्रामीण इन दिनों बिजली की बदहाल व्यवस्था से बेहद परेशान हैं।

बिना आंधी, तूफान या तेज बारिश के भी घंटों नहीं, बल्कि कई-कई दिनों तक बिजली गुल रहने की शिकायत आम हो गई है। जब बिजली आती भी है तो बार-बार ट्रिपिंग, आंख-मिचौली और लो-वोल्टेज की समस्या लोगों की परेशानी और बढ़ा देती है। इन दिनों बारिश का मौसम होने के बावजूद उमस लोगों का जीना मुश्किल कर रही है। बिजली नहीं रहने से पंखे और कूलर बंद पड़े रहते हैं। रातभर लोग गर्मी और मच्छरों से जूझने को मजबूर हैं। सबसे बड़ी चिंता यह है कि भरतपुर का अधिकांश इलाका घने जंगलों से घिरा है, जहां हाथी, भालू, तेंदुआ सहित अन्य जंगली जानवरों और जहरीले जीव-जंतुओं का खतरा हमेशा बना रहता है। अंधेरे में ग्रामीणों का घर से निकलना जोखिम भरा हो जाता है और किसी भी अप्रिय घटना की आशंका बनी रहती है। बिजली कटौती का असर केवल घरेलू जीवन तक सीमित नहीं है। किसानों की सिंचाई व्यवस्था प्रभावित हो रही है, छोटे व्यवसायों का काम ठप पड़ जाता है, छात्रों की पढ़ाई बाधित होती है और मोबाइल नेटवर्क व इंटरनेट सेवाएं भी प्रभावित होती हैं। कई गांवों में मोबाइल चार्ज करने तक के लिए लोगों को दूसरे स्थानों पर जाना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि बिजली विभाग को कई बार शिकायत करने के बावजूद स्थिति में कोई स्थायी सुधार नहीं हुआ है। कभी तकनीकी खराबी तो कभी लाइन फॉल्ट का हवाला देकर घंटों और कई बार दिनों तक बिजली बहाल नहीं की जाती। लोगों का आरोप है कि दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों की समस्याओं को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। ग्रामीणों ने मांग की है कि भरतपुर क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए, जर्जर बिजली लाइनों और ट्रांसफार्मरों को बदला जाए, लो-वोल्टेज की समस्या का स्थायी समाधान किया जाए तथा फॉल्ट होने पर तत्काल सुधार के लिए पर्याप्त तकनीकी अमला तैनात किया जाए। बिजली आज केवल एक सुविधा नहीं बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, संचार और सुरक्षा जैसी मूलभूत आवश्यकताओं का आधार बन चुकी है। ऐसे में बिजली उत्पादन करने वाले राज्य के ही वनांचल क्षेत्र के लोगों का अंधेरे में जीवन बिताना कई गंभीर सवाल खड़े करता है। अब देखना होगा कि जिम्मेदार विभाग इस लंबे समय से चली आ रही समस्या का स्थायी समाधान कब तक कर पाता है।

हर महिने 15 विद्यार्थियों को मिलेगा सीधे कलेक्टर से संवाद का मौका

शुभारंभ करतीं कलेक्टर।

बैकुण्ठपुर। कलेक्टर रोक्तिमा यादव द्वारा विद्यार्थियों के सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व क्षमता, जीवन मूल्यों के संवर्धन एवं करियर मार्गदर्शन को नई दिशा देने के उद्देश्य से एक अभिनव जिला स्तरीय पहल कलेक्टर के साथ कक्षा से परे- जहाँ सपनों को मिलती है नेतृत्व की नई दिशा' का शुभारंभ शनिवार को कलेक्टोरेट परिसर स्थित कलेक्टर सभाकक्ष, बैकुण्ठपुर में किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर रोक्तिमा यादव ने कहा कि शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तकों और परीक्षाओं तक सीमित नहीं है। प्रत्येक विद्यार्थी के भीतर अपार संभावनाएँ, नेतृत्व क्षमता और बड़े सपने छिपे होते हैं। आवश्यकता केवल ऐसे अवसरों की है, जहाँ विद्यार्थी खुलकर अपने विचार व्यक्त कर सकें, प्रेरणादायी व्यक्तित्वों से सीख सकें और अपने जीवन के लक्ष्यों को नई दिशा दे सकें। कलेक्टर ने बताया कि इस पहल के अंतर्गत प्रत्येक माह जिले के विभिन्न विद्यालयों से चयनित 15 विद्यार्थियों को जिला प्रशासन के साथ विशेष संवाद सत्र में सहभागी बनने का अवसर मिलेगा। प्रत्येक सत्र में जिले के एक प्रेरक शिक्षक के साथ किसी विशिष्ट अतिथि-जैसे प्रशासनिक अधिकारी, खिलाड़ी, वैज्ञानिक, उद्यमी, कलाकार अथवा अन्य प्रेरणादायी व्यक्तित्व-की सहभागिता भी होगी। इससे विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों के अनुभवों से सीखने और व्यापक दृष्टिकोण विकसित करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों का चयन केवल शैक्षणिक उपलब्धियों के आधार पर नहीं किया जाएगा, बल्कि उनकी प्रतिभा, नेतृत्व क्षमता, रचनात्मक सोच, सामाजिक संवेदनशीलता, खेल, कला तथा सीखने की जिज्ञासा को भी महत्व दिया जाएगा।

जमुना में चोरी के कोयले से धधक रहे ईंट भट्टे!

हरिभूमि न्यूज. अनूपपुर।

भालूमाड़ा थाना के जमुना क्षेत्र में संचालित कुछ ईंट भट्टों को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। क्षेत्र में संचालित कई ईंट भट्टों तक बड़ी मात्रा में चोरी का कोयला पहुंचाया जा रहा है। बताया जा रहा है कि हरद रेलवे साइडिंग तथा बंद पड़ी खदानों से अवैध रूप से कोयला निकालकर उसे दलालों और कथित कोयला चोरों के माध्यम से ईंट भट्टों तक पहुंचाया जाता है। यही कारण है कि क्षेत्र में लंबे समय से कोयला चोरी का अवैध कारोबार फल-फूल रहा है, लेकिन जिम्मेदार एजेंसियों की ओर से प्रभावी कार्रवाई दिखाई नहीं देती। प्रतिदिन चोरी का कोयला अलग-अलग माध्यमों से ईंट भट्टों तक पहुंचाया जाता है। इसके लिए कथित तौर पर अलग-अलग लोगों को लगाया गया है, जो बंद खदानों और रेलवे क्षेत्र से कोयला इकट्ठा कर बाइक और साइकिल अन्य साधनों से भट्टों तक पहुंचाते हैं। इसके बाद उसी कोयले से ईंट पकाने का काम किया जाता है। गांव के समीप संचालित हो रहे ईंट भट्टे जमुना बस्ती के आसपास आबादी से सटे क्षेत्रों में भी ईंट भट्टे संचालित होने की बात सामने आ रही है। भट्टों से निकलने वाला धुआं और राख वातावरण को प्रदूषित कर रही है। इससे आसपास रहने वाले लोगों, बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका बनी रहती है। लोगों का कहना है कि यदि ईंट भट्टे निर्धारित मानकों का पालन नहीं कर रहे हैं तो संबंधित विभाग को तत्काल जांच करनी चाहिए। क्षेत्र में चर्चा है कि हरद रेलवे साइडिंग और बंद पड़ी खदानों से लगातार कोयला चोरी हो रही है।